विजय और रश्मिका स्टारर वीडी14 का टाइटल रिवील

रिपब्लिक डे पर रिलीज़ करने का ऐलान

विजय देवरकोंडा आज के दौर के सबसे टैलेंटेड और गुड-लुकिंग सितारों में से एक हैं. उनकी दमदार स्क्रीन प्रेज़ेंस, एक्टिंग और अलग ही ऑरा ने उन्हें देशभर में जबरदस्त फैन फॉलोइंग दिलाई है. वह जिस भी फिल्म का हिस्सा होते हैं, उसका लेवल अपने आप ऊपर चला जाता है. कई सराही गई फिल्मों के बाद अब विजय अपनी अगली बड़ी फिल्म वीडी14 के लिए तैयार हैं. इस फिल्म को राहुल सांक्रित्यन निर्देशित कर रहे हैं और इसे पुष्पा के मेकर्स माइथ्री मूवी मेकर्स प्रोड्यूस कर रहे हैं. फिल्म के अनाउंसमेंट के बाद से ही फैन्स को इसके अपडेट्स का बेसब्री से इंतज़ार है और एक्साइटमेंट लगातार बढ़ती जा रही है.

एक्साइटमेंट को और बढ़ाते हुए मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक दिलचस्प पोस्टर शेयर किया, जिसने इंटरनेट पर हलचल मचा दी है. पोस्टर में ऊपर से दिखता सीन है, जहां कई लोग सूनी और बंजर ज़मीन पर चलते नज़र आ रहे हैं, जो एक रहस्यमय और डरावना माहौल बनाता है. पोस्टर पर लिखा है, 'द लेजेंड ऑफ द कर्स्ड लैंड का नाम 26 जनवरी 2026 को बताया जाएगा.'

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना, जिन्होंने पहले गीता गोविंदम और डियर कमरेड जैसी फिल्मों में साथ काम किया और अपनी केमिस्ट्री से दर्शकों का दिल जीत लिया था, अब इस नई फिल्म में फिर से एक साथ स्क्रीन शेयर करने के लिए तैयार हैं. इससे एक्साइटमेंट और बढ़ गई है, और फैन्स बेसब्री से इस प्यारे जोड़ी को बड़े पर्दे पर फिर से देखने का इंतज़ार कर रहे हैं.

फिल्म 'अस्सी' का पोस्टर रिलीज

फिल्म एक बेबाक और सघन इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर है

बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू की आने वाली फिल्म 'अस्सी' का मोशन पोस्टर रिलीज हो गया है. फिल्मकार अनुभव सिन्हा की फिल्म 'अस्सी' एक ऐसा सवाल उठाती है, जो हर दिन हमारे सामने होता है, लेकिन जिसे हम अक्सर अनदेखा कर देते हैं. मोशन पोस्टर के ज़रिए जैसे-जैसे फिल्म से जुड़ी और जानकारी सामने आ रही है, वैसे-वैसे इसके इरादे पूरी तरह स्पष्ट होते जा रहे हैं.

टी-सीरीज़, अपनी विविधतापूर्ण फिल्मोग्राफी में 'अस्सी' के जरिए एक नया रंग जोड़ता है. बनारस मीडिया वर्क्स के प्रोडक्शन में बनी इस फिल्म में तापसी पन्नू मुख्य भूमिका में नज़र आएँगी. उनके साथ फिल्म में कनी कुसरुति, रेवती, मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा, ज़ीशान अय्यूब अहम भूमिकाओं में हैं, जबकि नसीरुद्दीन शाह, सुप्रिया पाठक और सीमा भार्गव विशेष भूमिकाओं में दिखाई देंगे.

फिल्म 'अस्सी' एक बेबाक और सघन इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर है, जो एक तीव्र और प्रभावशाली कोर्टरूम ड्रामा के जरिए सामने आती है. फिल्म खत्म होने के बाद मन में सवाल रह जाता है कि क्या मुझे यह पहले नहीं पता था,या फिर पता होते हुए भी मैंने नज़रअंदाज कर दिया.न्याय जरूरी है, लेकिन उससे पहले न्याय की परिभाषा तय होनी चाहिए. क्या दोषी साबित किए गए लोग ही असली गुनहगार हैं.

गुलशन कुमार और टी-सीरीज़ द्वारा प्रस्तुत और बनारस मीडियावर्क्स प्रोडक्शन की फिल्म 'अस्सी' को भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और अनुभव सिन्हा ने निर्मित किया है.अनुभव सिन्हा निर्देशित यह फिल्म 20 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी.

सोनचिरिया की ट्रिक 'दलदल' में काम आई : भूमि पेडनेकर

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने बताया कि उन्होंने फिल्म सोनचिरिया में सीखी एक खास एक्टिंग टेक्नीक को वेबसीरीज दलदल में भी इस्तेमाल किया है.

भूमि पेडनेकर इन दिनों अपनी आने वाली सीरीज़ दलदल को लेकर चर्चा में है.उन्होंने अपने पुराने दिनों को याद किया और बताया कि उन्होंने सोनचिरिया में सीखी एक खास एक्टिंग टेक्नीक को दलदल में भी इस्तेमाल किया.

भूमि ने दलदल में अपने किरदार डीसीपी रीटा फरेरा के बारे में बताते हुए कहा, 'रीटा अपनी आंखों से भी कुछ जाहिर नहीं करती. उसे देखकर आपको पता नहीं चलेगा कि वो क्या सोच रही है, वो आपको पसंद करती है या नफरत, या फिर आपकी मौजूदगी को कैसे देखती है. वो बहुत कुछ छिपा रही है. यहां तक कि अपने बॉयफ्रेंड के साथ भी वो हमेशा दूरी बनाए रखती है.'

भूमि ने बताया कि शूटिंग के कुछ दिनों बाद वह टूट गई थीं. उन्होंने कहा, 'मुझे लगा जैसे आपने मुझे बिल्कुल बांध दिया है. मेरे पास करने के लिए कुछ भी नहीं है, तभी निर्देशक अमृत राज गुप्ता ने उनसे कहा,यही रीटा है, इसी को पकड़कर रखो, तुमने सही पकड़ लिया है.'

भूमि ने फिल्म सोनचिरिया के दिनों को भी याद किया और बताया कि निर्देशक अभिषेक चौबे ने उनसे कहा था कि वह आंखों से बिल्कुल एक्सप्रेस न करें.उन्होंने कहा था कि मैं नहीं चाहता कि तुम आंखों से कुछ दिखाओ, सब कुछ शरीर की भाषा से होना चाहिए. मुझे समझ नहीं आया कि यह कैसे करूं, लेकिन मैंने खुद को ट्रेन किया. सोनचिरिया में मेरा किरदार इतना दबा हुआ था कि आंखों में भाव दिखाना भी खतरनाक हो सकता था. उसी टेक्नीक का थोड़ा हिस्सा मैंने रीटा में भी इस्तेमाल किया.

कहानियों को पर्दे पर निभाना आत्मीय अनुभव : श्रेनु

अभिनेत्री श्रेनु पारिख का कहना है कि सोनी सब के शो गणेश कार्तिकेय में अष्टविनायक यात्रा से जुड़ी कहानियों को पर्दे पर निभाना उनके लिए व्यक्तिगत और आत्मीय अनुभव बन है.

सोनी सब का पौराणिक धारावाहिक गाथा शिव परिवार की गणेश कार्तिकेय दर्शकों को भगवान गणेश के आठ अष्टविनायक रूपों पर आधारित एक दिव्य यात्रा पर ले जाता है. शो का मौजूदा चैप्टर अष्टविनायकों के पीछे की कहानियों और सीखों को खूबसूरती से दिखाता है, जो दर्शकों को हर दिव्य रूप के पीछे के आध्यात्मिक महत्व को देखने के लिए प्रेरित करता है.

श्रेनु पारिख, जो शो में देवी पार्वती का किरदार निभा रही हैं, के लिए यह ट्रैक घर पर एक परिचित भाव लेकर आया है. महाराष्ट्रीयन परिवार में विवाह के बाद उन्होंने अक्सर अष्टविनायक मंदिरों के बारे में सुना था, और अब जब यह ट्रैक पर्दे पर सामने आ रहा है, तो यह उनके और उनके पति अक्षय के लिए एक साझा अनुभव बन गया है. इसे और भी खास बनाता है कि इस शो ने परिवार के भीतर बातचीत को जन्म दिया है. जैसे-जैसे एपिसोड प्रसारित होते हैं, श्रेनु के ससुराल वाले अष्टविनायक यात्रा से जुड़ी कहानियाँ, रीति-रिवाज़ और यादें साझा करते हैं, जिससे देखने का अनुभव और भी रोचक हो जाता है.

ऋषभ साहनी ने अपने गुरु को किया शुक्रिया

अभिनेता ऋषभ साहनी ने फिल्म फाइटर के प्रदर्शन के दो साल पूरे होने पर इसे किसी बड़ी पार्टी से नहीं, बल्कि दिल से जुड़ी बातों के साथ याद किया.

ऋषभ साहनी ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट शेयर की, जिसमें आभार, भरोसा और उस सफर की बात थी जिसने उनकी ज़िंदगी बदल दी. यह पोस्ट किसी करियर अपडेट जैसी नहीं, बल्कि बाहर से आए लोगों, सपने देखने वालों और उस अनदेखी ताकत को समर्पित थी, जो उन लोगों का साथ देती है जो खुद पर विश्वास करना जानते हैं.

ऋषभ ने अपनी बात हर उस आउटसाइडर को समर्पित की, जिसे लगता है कि बड़े पर्दे तक पहुंचना नामुमकिन है. उनकी सोच के केंद्र में गुरु की भारतीय परंपरा है, जहां गुरु को भगवान के बराबर, बल्कि कई बार उनसे ऊपर माना जाता है. इसी भावना के साथ उन्होंने फिल्ममेकर सिद्धार्थ आनंद को अपना मार्गदर्शक बताते हुए लिखा, मेरे लिए आप वही इंसान रहे हैं.

ऋषभ ने बताया कि जो ऑडिशन कॉल उन्हें बस एक आम सा मौका लगा था, वही उनकी ज़िंदगी का सबसे बड़ा मोड़ बन गया. उस ऑडिशन के बाद सिद्धार्थ आनंद के साथ उनकी लंबी और गहरी बातचीत हुई, और वहीं से उन्हें फाइटर में विलेन का रोल मिला, जो आगे चलकर उनका ब्रेकआउट पल बना. ऋषभ कहते हैं कि इस पूरे सफर ने उन्हें सिर्फ एक्टिंग ही नहीं, बल्कि बहुत कुछ सीखाया.

टेलीविजन हलचल

कलाकारों ने साझा की गणतंत्र दिवस की यादें

देशभर में 77वां गणतंत्र दिवस मनाने की तैयारियां जोरों पर हैं. इस मौके पर एण्डटीवी के लोकप्रिय कलाकारों ने गणतंत्र दिवस से जुड़ी अपनी यादें, जश्न की योजनाएं और देश के प्रति अपने भाव साझा किए. इन कलाकारों में शामिल हैं- प्रियंवदा कांत ('घरवाली पेड़वाली' की लतिका), गीतांजलि मिश्रा ('हप्पू की उलटन पलटन' की राजेश) और विदिशा श्रीवास्तव ('भाबीजी घर पर हैं' की अनीता भाबी). उन्होंने बताया कि यह दिन सिर्फ एक छुट्टी नहीं, बल्कि गर्व, जिम्मेदारी और देश के मूल्यों को याद करने का अवसर है.

'घरवाली पेड़वाली' में लतिका का किरदार निभा रहीं प्रियंवदा कांत ने कहा, 'गणतंत्र दिवस मेरे दिल के बेहद करीब है. बचपन में पूरा परिवार सुबह जल्दी उठकर टीवी पर परेड देखता था, देशभक्ति के गीत गूंजते थे और घर में एक खास माहौल होता था. वो यादें आज भी बहुत ताजा हैं. आज भी चाहे शूटिंग कितनी ही व्यस्त क्यों न हो, मैं परेड देखना नहीं छोड़ती. हमारी सेना, अनुशासन और देश की विविधता देखकर सीना गर्व से भर जाता है. यह दिन मुझे उन सभी अनदेखे नायकों का आभार जताने का मौका देता है जो देश को सुरक्षित और मजबूत बनाते हैं. इस साल मैं दोस्तों के साथ शांत तरीके से यह दिन मनाऊंगी और एक बेहतर भारत के लिए काम करने वालों को दिल से धन्यवाद दूंगी.' 'हप्पू की उलटन पलटन' में राजेश का किरदार निभा रहीं गीतांजलि मिश्रा कहती हैं, 'गणतंत्र दिवस आते ही मुझे अपने स्कूल के दिन याद आ जाते हैं. परेड की रिहर्सल, देशभक्ति के नाटक, डांस और सीने पर तिरंगे का बैज लगाने की खुशी-वही पल थे, जिन्होंने देश के लिए मेरा प्यार और सम्मान गढ़ा.

'तुम से तुम तक' कहानी में आया बड़ा टर्निंग पॉइंट

कई दशकों से ज़ी टीवी लगातार टेलीविजन की कहानी कहने के तरीके को आगे बढ़ाता रहा है. चैनल हमेशा से ऐसी कहानियां लेकर आता रहा है, जो दिल से जुड़ती हैं, देखने में शानदार लगती हैं और अपनेपन के साथ साम ने आती हैं. इसी कड़ी में अब ज़ी टीवी अपने पॉपुलर शो 'तुम से तुम तक' का एक बड़ा टर्निंग पॉइंट असल लोके शन पर लेकर आया है. शरद केलकर (आर्या) और निहारिका चौकसे (अनु) स्टारर इस शो का एक अहम रोमांटिक सीक्वेंस कश्मीर की खूबसूरत वादियों के बीच शूट किया गया है. ऐसे समय में जब टीवी प्रोडक्शंस अक्सर बनाए गए सेट और तैयार माहौल पर निर्भर रहते हैं, ज़ी टीवी ने इस खास सीक्वेंस को असली लोकेशन पर शूट करने का फैसला किया, ताकि पर्दे पर इसकी फील और खूबसूरती पूरी तरह सामने आ सके. कश्मीर वाला यह सीक्वेंस आर्या (शरद केलकर) और अनु (निहारिका चौकसे) की जर्नी में एक बहुत अहम मोड़ है. कहानी के ऐसे पड़ाव पर यह सीक्वेंस आता है, जहां जज्बात, इरादे और बदलाव, तीनों एक साथ सामने आते हैं.

'शहज़ादे शहज़ादी ले जाएंगे' का नया प्रोमो रिलीज

स्टार प्लस के शो शहज़ादे शहज़ादी ले जाएंगे का नया प्रोमो रिलीज कर दिया गया है. स्टार प्लस का नया शो शहज़ादी है तू दिल की ,दर्शकों का दिल जीत रहा है, जहां कार्तिक और दीपा की जर्नी लोगों को खूब पसंद आ रही है. अब चैनल ने इसके स्पेशल एपिसोड 'शहज़ादे शहज़ादी ले जाएंगे' का प्रोमो रिलीज़ किया है, जिसने आते ही दर्शकों की एक्साइटमेंट बढ़ा दी है. प्रोमो में अंगद, कृष्णा और सचिन जासूसों की तरह एंट्री लेते दिखते हैं, आंखों में दिल के शेप वाला चश्मा लगाए और गुलाब को बंदूक की तरह पकड़े हुए. वे बताते हैं कि उनका मिशन दीपा के दिल में कार्तिक के लिए भावनाएं जगाना है. इस खास एपिसोड में स्टार प्लस के कई पॉपुलर शोज़ के किरदार एक साथ नज़र आएंगे, जिनमें माना के हम यार नहीं के खुशी-कृष्णा, उड़ने की आशा के सचिन-साईली, क्योंकि सास भी कभी बहू थी के अंगद-वृंदा, शहज़ादी है तू दिल की के कार्तिक-दीपा और तोड़ कर दिल मेरा के राज-रोशनी शामिल हैं. यह एपिसोड कार्तिक और दीपा की कहानी को सबके सामने पेश करेगा और दिखाएगा कि कैसे वे एक-दूसरे के लिए बने हैं, भले ही उन्हें खुद इसका एहसास न हो. स्टार प्लस के अलग-अलग शोज़ से आए कपल्स गेम्स खेलते नज़र आएंगे और अपने मिशन पर निकलेंगे 'दीपा के दिल में कार्तिक के लिए प्यार जगाना है.' अब देखना दिलचस्प होगा कि यह मजेदार लव मिशन कैसे आगे बढ़ता है.

यंग इंडिया

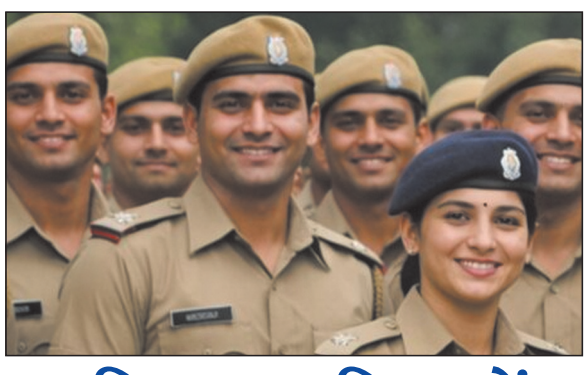

हरियाणा पुलिस में 5500 पद भर्ती

हरियाणा में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए सुनहरा अवसर सामने आया है. हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने हरियाणा पुलिस में कांस्टेबल सामान्य ड्यूटी के 5500 पदों पर भर्ती की अधिसूचना जारी की है. इस भर्ती में पुरुष, महिला और रेलवे पुलिस बल के पद शामिल हैं. आवेदन प्रक्रिया 11 जनवरी 2026 से शुरू हो चुकी है और बढ़ी हुई अंतिम तिथि 31 जनवरी 2026 तक अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं.

खास बात यह है कि इस भर्ती के लिए किसी भी वर्ग के अभ्यर्थी से कोई आवेदन शुल्क नहीं लिया जा रहा है. आयु सीमा 01 जनवरी 2026 के अनुसार न्यूनतम 18 वर्ष और अधिकतम 28 वर्ष निर्धारित की गई है. आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जाएगी. शैक्षणिक योग्यता के तहत अभ्यर्थी का बारहवीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है. साथ ही दसवीं कक्षा में हिंदी या संस्कृत विषय का होना अनिवार्य है. इसके अतिरिक्त अभ्यर्थी का हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग की समूह 'सी' संयुक्त पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण होना भी जरूरी है.

रिक्तियों का वर्गवार वितरण भी जारी किया गया है. सामान्य वर्ग के लिए 2365 पद, पिछड़ा वर्ग 'ए' के लिए 880 पद, पिछड़ा वर्ग 'बी' के लिए 605 पद, अनुसूचित जाति वर्ग के लिए 550 पद और अन्य आरक्षित वर्ग के लिए 550 पद निर्धारित किए गए हैं. पदों का विवरण देखें तो सामान्य ड्यूटी पुरुष के 3870 पद, महिला के 600 पद और रेलवे पुलिस बल में पुरुषों के 400 पद शामिल हैं. चयन प्रक्रिया में सबसे पहले संयुक्त पात्रता परीक्षा के अंकों के आधार पर छंटनी की जाएगी. इसके बाद शारीरिक माप परीक्षण और शारीरिक दक्षता परीक्षा होगी, जो केवल अर्हकारी होगी. पुरुष अभ्यर्थियों के लिए 2.5 किलोमीटर दौड़ 12 मिनट में और महिला अभ्यर्थियों के लिए 1 किलोमीटर दौड़ 6 मिनट में पूरी करनी होगी. पूर्व सैनिकों के लिए 1 किलोमीटर दौड़ 5 मिनट में निर्धारित है.

रेलवे ग्रुप डी में 22 हजार भर्तियाँ शुरू

आवेदन प्रक्रिया 31 जनवरी 2026 से शुरू होकर 02 मार्च 2026 तक

भारतीय रेलवे में नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए बड़ी खुशखबरी है. रेलवे भर्ती बोर्ड ने ग्रुप-डी (लेवल-1) पदों पर 22 हजार से अधिक संभावित रिक्तियों के लिए संक्षिप्त सूचना जारी की है. यह भर्ती देशभर के विभिन्न रेलवे जोनों में की जाएगी. खास बात यह है कि इस भर्ती में दसवीं पास और आईटीआई या राष्ट्रीय अप्रेंटिस प्रमाणपत्र धारक अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं. स्थायी नौकरी, नियमित वेतन, भत्ते और पदोन्नति की संभावना इसे युवाओं के लिए बेहद आकर्षक बना रही है.

आवेदन प्रक्रिया 31 जनवरी 2026 से शुरू होकर 02 मार्च 2026 तक चलेगी. अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे आवेदन करने से पहले आधिकारिक सूचना को ध्यान से पढ़ें और आयु सीमा, शैक्षणिक योग्यता तथा अन्य नियमों की पुष्टि अवश्य कर लें. आयु सीमा की बात करें तो न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 33 वर्ष निर्धारित की गई है. आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियमों के अनुसार आयु में छूट दी जाएगी. आवेदन शुल्क सामान्य और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 500 रुपये रखा गया है, जबकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, महिला और ट्रांसजेंडर अभ्यर्थियों के लिए 250 रुपये शुल्क निर्धारित है. कंप्यूटर आधारित परीक्षा में शामिल होने पर सामान्य वर्ग को 400 रुपये तथा अन्य श्रेणियों को पूरा शुल्क वापस कर दिया जाएगा. चयन प्रक्रिया चार चरणों में पूरी होगी. सबसे पहले कंप्यूटर आधारित परीक्षा होगी, इसके बाद शारीरिक दक्षता परीक्षा, दस्तावेज सत्यापन और अंत में चिकित्सीय परीक्षण किया जाएगा. चयनित अभ्यर्थियों को सातवें वेतन आयोग के तहत लेवल-1 के अनुसार वेतन मिलेगा. मूल वेतन 18 हजार रुपये प्रतिमाह होगा, जिसके साथ महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता, परिवहन भत्ता, रात्रि ड्यूटी भत्ता और परिवार सहित मुफ्त चिकित्सा सुविधा भी दी जाएगी. अनुमानित हाथ में वेतन 22 से 25 हजार रुपये प्रतिमाह तक हो सकता है.

इन पदों में प्वाइंट्समैन, ट्रैक मेंटेनर, सहायक ट्रैक मशीन, सहायक पुल, सहायक विद्युत, सहायक सिग्नल एवं दूरसंचार, लोको शेड तथा कार्यशाला से जुड़े कई पद शामिल हैं.

ग्रामीण डाक सेवक भर्ती जल्द शुरू

डाक सेवाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से यह भर्ती अभियान

भारतीय डाक विभाग ग्रामीण डाक सेवक के पदों पर बड़े स्तर पर भर्ती की तैयारी कर रहा है. विभाग की ओर से लगभग 28 हजार पदों पर भर्ती की अधिसूचना जारी की जानी है. इस भर्ती का इंतजार देशभर के लाखों युवाओं को है, खासकर उन अभ्यर्थियों को जिन्होंने दसवीं कक्षा उत्तीर्ण की है और सरकारी नौकरी की तलाश में हैं. ग्रामीण क्षेत्रों में डाक सेवाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से यह भर्ती अभियान चलाया जा रहा है. आवेदन प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी. अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे आधिकारिक जालस्थल पर नियमित रूप से नजर बनाए रखें ताकि आवेदन की तिथि, अंतिम तिथि और अन्य जरूरी जानकारियों से समय पर अवगत हो सकें. आवेदन शुल्क सामान्य और अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 100 रुपये निर्धारित किया गया है, जबकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग और सभी वर्ग की महिला अभ्यर्थियों के लिए कोई शुल्क नहीं रखा गया है.

आयु सीमा 01 जनवरी 2026 के अनुसार न्यूनतम 18 वर्ष और अधिकतम 40 वर्ष तय की गई है. आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियमानुसार आयु में छूट दी जाएगी. शैक्षणिक योग्यता के तहत अभ्यर्थी का गणित और अंग्रेजी विषयों के साथ दसवीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है. साथ ही स्थानीय भाषा का ज्ञान भी अनिवार्य रखा गया है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में डाक सेवाएं सुचारु रूप से संचालित की जा सकें.

चयन प्रक्रिया पूरी तरह मेरिट सूची पर आधारित होगी. दसवीं कक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट तैयार की जाएगी. इसके बाद दस्तावेज सत्यापन होगा और अंतिम चयन सूची जारी की जाएगी.

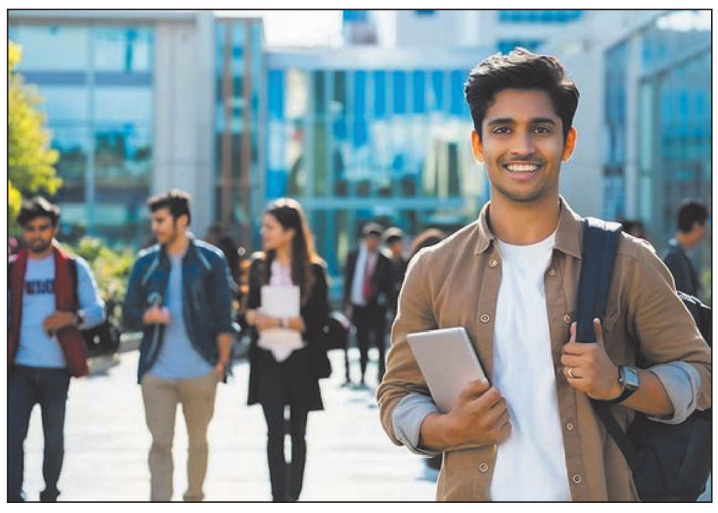

प्रतिस्पर्धा दौर में युवाओं की तैयारी

आज का दौर प्रतिस्पर्धा का दौर है, जहाँ हर युवा अपने लिए बेहतर अवसर तलाश रहा है. शिक्षा, नौकरी, कौशल और व्यक्तित्व—हर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा पहले से कहीं अधिक बढ़ चुकी है. ऐसे समय में युवाओं के लिए जरूरी हो जाता है कि वे खुद को समय के साथ ढालें और सही दिशा में तैयारी करें. केवल डिग्री हासिल कर लेना अब सफलता की गारंटी नहीं है, बल्कि व्यवहारिक ज्ञान, कौशल और सोच का दायरा भी उतना ही महत्वपूर्ण हो गया है. सबसे पहले युवाओं को अपनी रुचि और क्षमता को पहचानना चाहिए. कई बार देखा जाता है कि युवा दूसरों को देखकर या सामाजिक दबाव में करियर का चुनाव कर लेते हैं, जिससे आगे चलकर असंतोष पैदा होता है. यदि युवा अपनी रुचि के अनुसार क्षेत्र चुनते हैं तो वे उस दिशा में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं. इसके साथ ही नियमित अध्ययन और नई जानकारियों को सीखते रहने की आदत विकसित करनी चाहिए. तकनीक का ज्ञान आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है. चाहे सरकारी नौकरी की तैयारी हो, निजी क्षेत्र में करियर बनाना हो या अपना व्यवसाय शुरू करना हो, तकनीकी समझ हर जगह काम आती है.

संचार कौशल और व्यक्तित्व विकास पर भी ध्यान देना बेहद जरूरी है. कई बार योग्य होने के बावजूद युवा अपने विचार सही तरीके से व्यक्त नहीं कर पाते हैं. स्पष्ट बोलना, आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखना और सकारात्मक सोच रखना सफलता की राह आसान करता है.जो युवा अपने समय का सही उपयोग करना सीख लेते हैं, वे कम समय में अधिक हासिल कर सकते हैं.